आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

गुरुवार 07.08.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के धराली–हर्षिल में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी। हर्षिल और गंगोत्री क्षेत्र से 274 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया।
- स्वास्थ्य विभाग की 16 सदस्यीय विशेष चिकित्सा टीम धराली–हर्षिल में सक्रिय, मातली में अब तक 70 से अधिक घायलों का उपचार।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी जिले के आपदाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। प्रभावितों को त्वरित राहत प्रदान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।
- प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख सहित अन्य पदों पर चुनाव की अधिसूचना जारी।

धराली राहत कार्य

उत्तरकाशी जिले के धराली–हर्षिल क्षेत्र में आपदा के बाद सेना, वायुसेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस–प्रशासन के सहयोग से युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों से अब तक कई लोगों को हेलीकॉप्टर की सहायता से धराली–हर्षिल से आईटीबीपी मातली शिविर और जॉलीग्रांट, देहरादून हेलीपैड तक सुरक्षित पहुंचाया गया। इस कार्य में विशेष रूप से चिनूक और एमआई–17 जैसे एयरलिफ्टिंग संसाधनों की मदद ली जा रही है। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार अब तक 274 लोगों को गंगोत्री और आसपास के क्षेत्रों से हर्षिल लाया गया। इसके अतिरिक्त, आज तक 135 लोगों को सुरक्षित हर्षिल से बाहर निकाला गया, जिसमें से 100 लोगों को उत्तरकाशी पहुंचाया गया और 35 लोगों को देहरादून सुरक्षित भेजा गया। वहीं, प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों तक राहत सामग्री, पेयजल, दवाइयां और खाद्यान्न हेलीकॉप्टर के जरिए पहुंचाए जा रहे हैं, ताकि किसी को भी आवश्यक सामग्री की कमी न हो। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सुबह मातली हेलीपैड पहुंचकर, धराली से रेस्क्यू किए गए लोगों से बातचीत की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रत्येक प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और राहत, बचाव व पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम तेजी से उठाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद

आपदा प्रभावित धराली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह मुस्तैद है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि हर्षिल और धराली क्षेत्रों में विशेष हेलीकॉप्टर सेवा के माध्यम से नौ सदस्यीय चिकित्सा टीम भेजी गई है। यह टीम स्थानीय प्रशासन के समन्वय से मौके पर ही चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रही है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार टीमें भेजने के लिए अतिरिक्त मेडिकल टीमें पूरी तरह तैयार हैं। हेलीसेवा के माध्यम से इन टीमों को तत्काल

प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है। विभाग हर ज़रूरतमंद तक चिकित्सा सेवा पहुंचाने के लिए चौबीसों घंटे सक्रिय है। वहीं, चिकित्सा शिक्षा के अपर निदेशक और दून अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर. एस. बिष्ट के नेतृत्व में अलग से 12 सदस्यीय मेडिकल टीम ने मातली में तैनात है। डॉ. बिष्ट ने बताया कि अब तक 70 से अधिक घायलों का उपचार किया जा चुका है, जिनमें से अधिकांश को एयर लिफ्ट कर मातली लाया गया है। वर्तमान में उत्तरकाशी जिला अस्पताल में नौ घायल मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जबकि तीन गंभीर रूप से घायलों को एम्स ऋषिकेश रैफर किया गया है और दो घायलों को आर्मी हॉस्पिटल रैफर किया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका समुचित उपचार जारी है। प्रभावित लोगों को मानसिक आघात से उबारने के मनोचिकित्सकों की टीमें भी मौके पर तैनात की गई हैं, जो निरंतर काउंसलिंग के जरिए मानसिक सहयोग प्रदान कर रही हैं।

मुख्यमंत्री निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पौड़ी जिले के आपदाग्रस्त क्षेत्र सैंजी का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित ग्रामीणों से उनका हालचाल जाना और क्षति की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावितों को आश्वस्त किया कि सरकार हर समय उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की कमी न हो। श्री धामी ने बुराँसी के पांच आपदा प्रभावितों को राहत राशि के चेक दिये। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सैंजी गांव में पैदल ही क्षतिग्रस्त रास्ते से गुजरते हुए आपदा प्रभावित परिवारों के घर जाकर उनसे मुलाकात की और आपदा से हुई क्षति का जायजा लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हेलीकाप्टर से थलीसैंण तहसील के बांकुड़ा सहित अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भी हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी मौजूद थे। डॉ. रावत ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावितों के साथ खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद की जा रही है।

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष चुनाव

प्रदेश में हरिद्वार को छोड़कर अन्य सभी जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा क्षेत्र पंचायतों के प्रमुखों, ज्येष्ठ उप प्रमुखों और कनिष्ठ उप प्रमुखों के पदों पर चुनाव की अधिसूचना आज जारी कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इन पदों के लिए नामांकन और नामांकन पत्रों की जांच 11 अगस्त को होगी। जबकि नामांकन वापसी की तारीख 12 अगस्त निर्धारित की गई है। मतदान और मतगणना 14 अगस्त को होगी। इसके साथ ही राज्य के 12 जिलों की जिला पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों में मतगणना की समाप्ति तक आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

अफवाह/कड़ी कार्रवाई

उत्तरकाशी जिले के धराली में आपदा को लेकर अगर कोई अफवाह फैलाता है, तो पुलिस संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आपदा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करेगी। इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों को सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी किसी भी प्रकार की अफवाहों से सावधान रहने की अपील करते हुए ऐसे लोगों की सूचना तत्काल प्रशासन को देने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि धराली आपदा को लेकर कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट

और वीडियो के माध्यम से झूठी सूचनाएं देकर आम जनता को गुमराह कर रहे हैं। शासन–प्रशासन ने इसका संज्ञान लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ आपदा अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि आपदा की इस कठिन घड़ी में लोगों के बीच भय, भ्रम और अराजकता फैलाने वाली गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, ताकि राहत और बचाव कार्यों में कोई बाधा न आए।

क्विज प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव और उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून ने एक क्विज प्रतियोगिता शुरू की है। सबसे पहले सही उत्तर देने वाले श्रोता का नाम अगले दिन के समाचार बुलेटिन में घोषित किया जाएगा। हमारा कल का प्रश्न था– नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 30 दिसम्बर 1943 को भारत के किस स्थान पर तिरंगा झंडा फहराया था? सही उत्तर है– अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

हमारे कल के विजेता हैं– अल्मोड़ा से सुमित बोरा।
श्रोताओं आज का प्रश्न है– अशोक चक्र में कितनी तीलियाँ हैं? प्रश्न एक बार फिर सुन लें– अशोक चक्र में कितनी तीलियाँ हैं?

श्रोता अपने प्रश्न का उत्तर आकाशवाणी की ईमेल आईडी– rnudehradun@gmail.com या व्हाट्सएप नंबर –
97 60 26 80 51 पर भेज सकते हैं।